

Raga of the Month October 2026

Raga Pratapvarali, Nurani, Kurunj

राग प्रताप वराली, नूरानी, कुरुंज.

प्रताप वराली यह राग कर्नाटक संगीत पद्धति में प्रचलित राग है। अब यह राग हिंदुस्तानी संगीत पद्धति में भी प्रचार में आया है। इस राग में सभी शुद्ध स्वरों का प्रयोग होता है। दुर्गा राग के स्वरों के साथ गंधार का अवरोह में प्रयोग करके इस राग का आविर्भाव हुआ है। राग को कर्नाटक पद्धति में हरिकाम्भोजी मेलकर्ता जनित राग माना है। हिंदुस्तानी संगीत में कोई विद्वान उसे खमाज थाट में रखते हैं; तो कोई विद्वान उसका समावेश बिलावल थाट में करते है। वादी संवादी के बारे में भी विद्वानों में कुछ भिन्न मत है- कोई विद्वान रिषभ और पंचम या धैवत का संवाद मानते हैं; तो कई विद्वान मध्यम षड्ज का संवाद स्वीकार करते हैं। यह राग रात्रि के द्वितीय प्रहर में गाया जाता है। इसी राग को नूरानी और कुरुंज इन नामों से भी जाना जाता है।

आरोह- सा रे म प ध सां ।

अवरोह- सां ध प म ग रे सा।

मुख्य स्वर समूह सा ध सा रे म, प ध प म ग रे सा।

सा रे ग म प ध इन्हीं सुरों का प्रयोग करनेवाले दूसरे पांच राग भी हिंदुस्तानी संगीत में है- जैसे भूपनट, बिलावल थाट का दुर्गा, हेम कल्याण, खेम और पंडित कुमार गंधर्वजी निर्मित राग मालवती। समस्वरी यानी स्केल कोंग्रुअन्ट राग होने से इन रागोंमें कुछ समानता और विशेषताएं पाई जाती है।

आज के ऑडियो में हम विदुषी रोशन आरा बेगम की गायी राग नूरानी में दो रचनाएं सुनेंगे।

संदर्भ- "राग निधि" भाग 3- प्रोफेसर बी सुब्बराव ; "अभिनव गीतांजलि"

भाग-३ पंडित रामाश्रय झा ; "राग विज्ञान" भाग 8 पंडित विनायक राव पटवर्धन और "अनूप राग विलास" पंडित कुमार गंधर्व

01-10-2026.

Link to the list of 190+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx